<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 4182

07 जनवरी, 2019 को उत्तर के लिए

रेल पटरियों के लिए इस्पात

4182. श्रीमती रक्षाताई खाडसेः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने भारतीय रेलवे की रेल पटरियों के नवीकरण और दोहरीकरण, वर्तमान पटरियों के तिहरीकरण हेतु इस्पात की बढ़ती मांग को पूरा करने और इसकी आपूर्ति में अपनी असमर्थता व्यक्त की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सेल का नए संयंत्रों की स्थापना द्वारा विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने का विचार है ताकि रेलवे की इस्पात की मांगों/जरूरतों को पूरा किया जा सके और 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत बेरोजगारों को अवसर मिल सके और उनका सशक्तिकरण हो सके तथा आयातित इस्पात की जरूरतों की लागत कम की जा सके; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): रेलवे ने दोहरीकरण, गेज कन्वर्जऩ नई लाइनों और ट्रैक के नवीनीकरण कार्य हेतु वर्ष 2018-19 के दौरान लगभग 14 लाख टन और वर्ष 2019-20 में 17 लाख टन की रेल माँग सूचित की है। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) से वर्ष 2018-19 में 10 लाख टन और वर्ष 2019-20 में 12 लाख टन की आपूर्ति प्रत्याशित है।

(ख) और (ग): भिलाई इस्पात संयंत्र ने 3.93 एमटीपीए से 7.0 एमटीपीए की क्रूड इस्पात की क्षमता वृद्धि के साथ सेल के अधीन अन्य एकीकृत इस्पात संयंत्र के साथ मिलकर आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य किया। इसमें 1.2 एमटीपीए क्षमता वाली यूनिवर्सल रेल मिल का संस्थापन शामिल है। सेल ने रेलवे की बढ़ती माँग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रेलों की विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र में "यूनिवर्सल रेल मिल" नामक मिल को स्थापित किया। नवंबर, 2016 से यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) में उत्पादन आरंभ हो गया।

****